Hitesranjan Sanyal Memorial Collection Centre for Studies in Social Sciences, Calcutta

Record No.	CSS 2000/94	Place of Publication:	Calcutta
		Year:	?
		Language	Bangla
Collection:	Indranath Majumder	Publisher:	?
Author/ Editor:	?	Size:	11.5x18.5 cm
		Condition:	Brittle
Title:	Fotonababi	Remarks:	Ballad

াদ্শামে। মাজাভুক ভট্টাচার্য্য। अवनार्याङ्ग्य शिखा। खींत्रांक। मत्ना वामगार्याहरनत गांजा युवकी এक कन श्रीमन्ह ন্ত্ৰীলোক।

পেতা। বেশ্য।° চৌকিদার সারজন ইত্যাদি।

প্রথম অঙ্ক।

कलिकां छ। महत्व वाम्भार्याश्ट्नव वामावां छ। तम वाम्भा-যে। হন, নবাবটাদ, সমাগত।

विम । वसू लाल आहारका, आत्मक मिन माका ९ द्य ना है; এত কুশ যে।

লবাব। আর ভাই, কোন উপায় কত্তে পাচ্চিনে। • वामियाद्य भीडकाल, ध य निर्धनित काल, কভ আর যন্ত্রণ সহিব। हिमवान धत्रि श्रांटक, भिनितामि देनना माटक, এক ঘাম্মে প্রাণেতে মরিব।। শাল পটু নাই কাছে, কিসে আর প্রাণ বাঁচে, মোজা বিনা কন্ত দিন যাবে। বিনে বনাতের জামা, কটের নাহিক দীনা, ভাবি এই ভাবের অভাবে॥

कट्डांनवार्ति।

र्वेगिहिद्द मर्गावि व्याष्ट्र, होका किए नाई काद्य, छेण्नि भित्रिया काथा याई। भित्रान मसम यांज, नीट्य काटन मर्स गांज, •िह्टनकां भिज्ञा विष्ठां है।

वाम। जाभिन कार्ड कार्डिनाम कार्ड, कि छेनाम कता याम वन

नवाव। किছू ३ ভেবে পাইনি, একটা রক্ম ভাব্চি শীত চার মাসু দেশে চলে যাই।

पिट्न शिर्य कि कत्रव। ध्यम नष्टांत पिन नाहि पिथि जात। ব্ৰাণ্ডি রেণ্ডি নাহি তথা সকলি অসার !! किवा চমৎকার হয় বাসুদ্দের श्व। লাক্ষল ধরিতে ফ্রারা বড়ই নিপুন।। বেভি কাটা চুল রাখে লম্বা শীখা ভায়। গলায় কাঠের মালা কিবা শোভা পায় ॥ হেঁটের উপরে পড়ে কাপড় কুচ্ছিত। ठांति पिक शक्त ছোটে হয় আমোদিত।। পাতুকা অভাবে ভরা চরণেতে ক্ষত। পিরান পরিলে হয় গ্রামেতে অখ্যাত।। নিশাপতি না যাইতে আপনার স্থান। স্থান দান সারি সবে খান জলপান।। ছিলিম তামাক ছুই কাঁনেতে ঐ জিয়া। হুঁকা হাতে করি যান সুখেতে মজিয়া।। উপনিত হন গিয়ে তৃপান্তর মাঠে।

পিপাশিত হলে জল খান গিয়া ঘাঠে।।

मक्या रूल घरत धरम छेमत (भारतन।

কুর্রপার্মণী সঙ্গে রসেতে মজেন।।

वोत्यांना न! कतित्व छोल क्य मत्न।।

° ধিক ধিক শক্ত ধিক এমত জীবন।

निर्वात। छ। यथार्थ वर्छ, किन्छ कि कर्ति, काथाय याहे, रहश

ফভোনবাবি।

भिक्ति आंत्र गांन वै। हिना, मकलाई भान कारमयांत्र गार्य प्राय, आंगारित किवन हो प्राय

আর কোন উপায় নাই, আমার দেশে যেতে মনে লাগেনা, হাতে কিছুই নাই; মুখুজের ছেলের যেতে রেঁদে রুঁদে যা পেয়েছিলাম সকলি খরচ হয়েছে, সকলেই জানে আম্রা হেথায় দাওয়ানি কচি, কিছু নানে গেলে ভাল হয় না। পিতা মাতা সদা গান, দেশান্তরেতে সন্তান,

চুটি পেলে ঘরেতে আসিবে।
টাকা কড়ি অগণন, করিয়াছে উপা**র্জন**,
পেলে সব যাতনা খুচিবে।।

নবাব। এ পাগ্লামি, ভারা পাড়াগেঁয়ে লোক, বাহিরে ক্লিট ফাট দেখলেই ভুলে যাবে, হাতে কার কি আছে, কে দেখতে আসে।

বাদ। ভোমার ঠেই কিছু আছে।

नवाव। थाक्रव ना क्रान, छ हि प्रश्नक होका आह्र।

বাদ। ভাতে কি কর্বে বল দেখি।

নরাব। আমার মানস, খানকত গিল্টি করা গহনা কিন্বো, আরু একখানা ঝুটো জরির শাড়ি, তা হলে সকলে আশ্চর্য্য হয়ে ধন্য ধন্য কর্বে।

বাদ। ওহে তোমার তো এক রকম হয়েচে, এখন আমার কি ? নবাব। তুমি এক কায কন্তে পার, কাল্কে সরকারদের বাড়িতে বে যোড়া কতক যুতা, চক্ষুদ ন কন্তে পাল্লেই, চলবার ভাবনা কি ?

বাদ। এর আশ্চর্যা কি, কভক্ষণের কথা।
এ কোন অন্ত কর্মা বলিছ আমারে।
আমার মতন ইহা কার সাধ্য পারে।।
বিবাহ আছের সভা যদি আমি যাই।
কণ মাত্রে এক বোঝা অমনি জড়াই।।
মনুষ্য আইলে পরে করি দৃষ্টিপাত।
কাহার কেমন পায়ে কিনে লাগে হাত।।

थ नामश्र लगाद्यत क्रिटन मर्मन। পরম হরিষ হই কে: করে বর্ণন।। য়নে সদা করি আমি বসে ফতকণ। বসিলে আমার হয় কে করে বারণ।। যদি পাই রক্লণ চাদির দেখিছে। मर्क व्यक्त कियों भारे का हाद्र महत्क ॥ इंशियु हे इनि नि नि हिल (हिति । किছू पिति माहि कति ठक्क्पान पिछ ।। অশেষ শুণের শুণি সদা আমি হই। আক্ষেপ আমার এই বিছাবান নই।।

দ্বিতীয় অঙ্গ।

প্রথম অভিনয়। आक्रांकुक छहे । हार्यात वर्षी। সরলা উপবেশন, আজাভুক হতে পত্র লইয়া প্রবেশ। আজাভুক। ব্ৰাহ্মণী, কি দেখ দেখি (পত্ৰ দেখাইয়া।) সরল। কিন্ত। আজা। তোমার বাদশামোহন পর্ত লিখেচে, তু তিন দিন মধে।

জামতাকে সঙ্গে করে আস্তে, কাজে ছুটি পেয়েছে। अतुला। भारतत श्रुतिरत माम, आमिरत कूरलत होम, গগণের চাঁদ হাতে পাব।

करव मिन मिट्य बिधि, (हित्र मि अभिनिधि। মনাশুন ভাহাতে জুড়াব।।

मत पूक्ष इत्त नहीं, ना शांकित्तं क्वान कही,

ममा इन्छे इरेश थाकित। होको किए या जानित्व, मकिन जामांत्र मित्व,

মান্য পুজ্য হইয়া রহিব। প্রাণনাথ কি শোনালে।

আজা। ঘরদোর পরিস্কার পরিছন্ধ কর, ভারা ময়লা দে খ্ডে

পারে না।

কভোমরাবি।

ভিতীয় অভিনয়। ुषाकाषुक छहे। हार्या छेशरवनम। व निभारमाञ्च आज नव विद्यारत श्री दिन ।

वाम। পिতঃ প্রণাম হই। উভয়ে প্রণিপাত।

नवाव। अङ्ख्या अवधान।

जीका। (क अवावा मव अरमह धम धम धम अ बांकानी जांग • আয় কারা এদেছে দেশ্বি আয়।

नवांव श्रेन्द्रान्। ...

मत्रला। (इतिशा ७ हाँ मिनूथ, मृत्त र्शन मव छूश्थ, समग्र रहेन सूथ, কভ হর্ষ হতেছে।

কিবা নাশিকার শোভা, নয়দের কিবা আভা, সার্ণোর কত প্রভা, শোভাকর হয়েছে॥

शियां हिल प्रभास्त्र, क्रिया य मनास्त्र, आंत्रित य कोलास्त्र, क्षं प्रदत्त हिन ना। 🔤

করিয়া চাকরী কত, আনিয়াছে অগণত, জহরাদি নানামত, निक वैदिक धरत ना।।

আমি মাতা তার ধন্যা, পতি,পুল্লে হব মান্যা, সকলের অগ্রগণ্যা; হইয়া যে রহিব।

होका किए या धरमरह, मकलि आनित कारह, कांत्र मांधा लग्न भारह, वाष्ट्री निप्य मात्रिव।।

আজ कि सूপ्रछाङ वाबाद मूर्थ (पर्थ आञ्लारम आहे-• খানা হলুম।

সরলার প্রবেশ।

वाम। या छनाम इह आभीकां म कत। প্রনিপাত।

मत्रला। এम এम वाहा अस वाहा अम हित्रिक्विती हु , ताका हु , হাপুতিরধন এত দিন কোথায় ছিলি, আহা হা বাছা কাহিল হয়েছ আমার মরণ নাই, কোঝায় থাক্ভো কি খেতে।।

মা কলকাতায় চাক্রি হয়েছে, মিচে সাহেতের দাওয়ান

ফভোনবাবি।

.वाम। (र्शमा कतिया मनक) পाएं। र्लिय लिंग्स यूर्थ वासि

প্রকাশ বনাত জাননা এ পসমেতে তোমের হয়, বিল

थिएक मार्ट्य लाक आंग्रांनि करत, धत एत पर

ক্তোনবাবি।

নিয়ে যাও, তোমার কাছে রাখে, গেড় বৈকালে সব

(भातित्य होतित्य भाषाय भाषाय (मिथित्य व्यानंदवा धर्मम्,

হয়েচি, একটু ফুর্শোত পাইনি যে বাড়িতে খবর লিখিসরলা। এটি গহনা দেখ্ছি, কোথায় পরে (হার ভলিয়া) (गाँछिती पानिया) (मथ कछ किनिम এনেছি, कखावामः। একে হার বলে, গলায় পরে, পরদেখি। करमा वसाक अरमित, कामांत करमा त्यांत करमा शर्भनमत्ना। ना ना तीमा क प्रवा म य नवीन युवछी, स्वाष्ट्रभी नावनावछी, পভি, वहा मार्था मछी, এনেচি कारत मिटन माकित्व। আজা। কল্কাতায় গিয়া ভারি চাক্রি কছে ভার সন্দেহ না আমার তুঃখ বুঝি শেষে হলো (প্রকাশ) ক্রাক্ষনী লোখেসমি বুড়া দন্তীন, বয়সেতে তেনু ক্ষীন, রূপ লাবন্য মলিন, শেভা নাহি করিরে॥ मर्खात्मत्र कांगमा धरे कत्मा एक रे कत्त्र, शुक्रम रू ए घए (ह) प्रांति ल इग्रा। इति कि । । । । । । । । । । । वरम थोक्ल कि इरव, विक्र लिए छे थोर्फ न इग्र। वाम। একে চৌদানি वल, এ কানে পরে। मत्ना। এम এम कनगंशन मत्व छत्र। अत्रत्न। धना धना धना यः ইহার কারিগর। আনিয়াছে কিবা সব আহা মরি মরি॥ কিবা অপরূপ কর্মা করেছে উপর।। কাগ্ৰতে দেখেছি কিম্বা আছি যে শমনে। মর্দা বুঝে দেখি যদি হয় অনুভব। নিরূপণ নাহি পারি করিতে একণে।। विश्वकर्मा निष्क वृति कतिश्राष्ट्र मृत्।। কার মনে ছিল সই হইবে এমন। ্ হত্তভাগা কপালেতে সুখ অগণন।। वोष। একে যোড়েন বালা বলে, কোল্কাড়ায় সব বড় মানুষের বাল্যকালে পিতৃগৃহে ছিলাম যখন। মার্গেতে পরে।-मकल विलिख सूचि हरव अइकन।। मत्ना। (मग्रंड) य वाला भित्रत्न श्टिक्यानीय वाला। थना धना विधका य (पहि ध मनान। বিচ্ছেদ সাগরে ভবে নাহি কাম জালা।। याक्त खलाख भाव मक्द ज मनान।। (প্রকাশ) এখানা জরীর কাপড়। কিবা অপরপ সব এনেছে গহনা। ু বাদ। হাঁ, কোলকাজায় এখন এই ফেশান হয়েছে। ছোট বড় সকলের নাহিক তুলনা॥ সরলা। (সগত) কি শোভা করেছে জরি কাপড় উপরে। সোপার গহনা মাত্র ছিল কালে শোনা। চल्रमा घिट ट्रिश्न नील जनभरत्।। পরিব আনন্দে গাতে ছিল না বাসনা।। विष्ठा वत्र वी धनी शतिल ध वाम। थना शुळ धना গढ्डि कदि छ थात्र। মজায় ধাতার সৃষ্টি করে সর্মানাশ।। সোণা পোরে বাকি কাল করিব যাপন।। আক্ষেপ হতেছে মোর বয়স গিয়াছে। (বনাত তুলিয়া দেখি বাবা গুখানা কি ? নহিলে কাহার সাধ্য লবে মোর কাছে॥ বাদ। এখানা বনাত, বাবার জন্যে এনেছি। (अकाम) वावा मकलि विभ इस्सिष्ठ, किनिम भग्न उपा थ हिर्दित मत्ना वनां कि ? वानाई मृत हाला, विंट थाक, श्वना कन, वोमा धमव

कट्डांबवावि।

ফভোনবাবি।

যাইগে ব্যালা টের হোলো বাছাদের খাবার উষুগে করিগে। যুবতী। জল নাড়লে আন্নিকেব প্রতিবন্ধক কি ? मक्त्र श्रम् । निर्वा विन छ। नम्, स्नांक त्रम छीत्नाक कन निष् नी তৃতীয় অস্ক বাদ। কোথায় কিচু নেই; আগে ভারেই জল। खोधन किंग्रित कल महिवात घारे। যুবতি। আমি অত বুঝিনি, সে আবার ক্লেন। श्रीतम्। बर्गावर्गाम् आत् वामनादम् । वीम। छाई खालाखम रदाहि। नवाव। छात्रकथा वल्व कि, मकल विद्या अविषक, धकहा ठाए। छा वापा, वर्ष सूर्यामांस्क। कलाई विषम हैया। विषय है है है है है है है है सूष्र मिर्गि मस (ह, डेंकि) डेंकि वेहें आहे सूर्य कथा (नहें, धर्यान (यरक श्रांनावात छेशाय करा। নবাব। তার বিষয় ভাব্ভে হবে না, শীভ ফুরিয়েছে তু চার দিন মধ্যে কলকাতায় খাকা अमार्ड वलखकाल, विद्योधित शास काल, সংযোগির প্রাণ তুল্য ধন। মলয়ার সমীরণে, আশোয়ার হর্ষা মনে, , नद्य देमना माभन्य छीयन।। क्रिक्न क्रिड् शान, मधुल्लाङ जनित्रन, শুণ শুণ করিয়া বেড়ায়। यय त्र यय तीत्रन, इर्भ इर्भी अत्रनन, সুখে কেলি করিয়া বেড়ায়।। কিবা উভাবের শোভা, যেন স্বর্গ মন লোভা, शुष्टा मव हाय विकमिछ। गनगात मगीतन, ठाति फिर्म श्रेडक्षन, शक्त वर्ट्शक्त जार्यामिख। (নাগরীয় এক জন যুরতীর প্রবেশ।)

नावव।,वरत्रम क्य वर्षे, तकस्य वाध इत्र कार्यत लाक, पूर्वा

कथा के अप्रा श्रांत्र, अत्या कलू नाष् कान, आंभता आधिक

वाम। छाई माथ माथ।

क्रद्रवा।

् इंग्रह दें मिया।) সে বড় বিষম কাষ, কত মজা ভার মাঝ, কৈতে নারি আমি নরাধম। यमि माल अनुमिक, कुना करत छ युवछी,

দেখাই করিয়া যে নিশ্বম।।

कि करत्र। अधिक के विकास मार्थिक

যুবতী। আমি তোমাদের কথা জানি টানি না, পথ ছাড় শাওড়ি রাগ কর বে। সরলা সভার আমি হই নারী জাতি। পথ ছাড় দেখে লোকে করিবে অখ্যাতি॥ শাশুড়ি বাঘিনী ঘরে আছে যে বসিয়া। ननमी नोजिनी कर्षे कहिरव क्षिया।। পতি মোর লোকান্তর করেছে গমন। অনঙ্গ আমারে সদা করে জ্বালাভন ॥ না 🔊 भिन কেমন সে যে কিবা রূপ ধরে। ्र विथए विवहीं गरि श्रुष्ति **शक्षश्रद** ।। निर्मग्र निर्मुत अकि नाहि पग्न (लग। অবদা বধিতে হয় কৃতান্ত বিশেষ।। কেবল নহেন তিনি সকলে সমান। ন্ত্রীলোকের পক্ষে কেহ নহে যতুবান।। ভূপতি দেশের জিনি জাতিতে যবন ৷ শান্তের বচন ভাঁরা না করে লংঘন।। यमि वा कतिन धाता किছू जान वरहे। স্বেচ্ছায় রাখিল তারা বুদ্ধি নাই ঘটে॥

কভোনবাবি।

বাধিত করিলে পরে ইইত কেমন। विथवा व्यवना नरह हर्छ। ज्ञाना छन।। বিধৰা জল ধি হয় অভ্যন্ত গভির। বাস করে ভার মাঝে হাসর কুমির।। বড়খর তব শ্রত কি করি বর্ণন। भानाखन भारतिष्ठ वट्ट मर्खकन।। লয়ে ভগ্ন ভরী পরাশরের বচন। একাকি ঈশ্বর পার হইবে কেমন।। ধন্য বিভা ধন্য পাঠ তবু করে ছিল। বিধবা স্বরাতে আশা মনেতে করিল।। নবাব। স্বগতঃ খ্যালোয়াড় লোক প্রকাশ শাশুড়ী রাগ কর্বে কেন্ অধিক ভো দেরী হয় না। ভোমার মনের ছঃখ শুনিয়া অপার। হালা বিদীর্ণ প্রাণ হভেছে আমার॥ या विलला विश्वयूथी किছू मिथा नय। व्यवना विश्व रिल वड़ पूश्य मग्र ॥ व्यन अवन व ज्वमन मगग्र। পোড়ায় বিধবাগণে বিরহ জ্বালায়॥ म ज्ञाना ध्यम ज्ञाना नट्ट कपाठन। मिलि প্রবেশ হলে নহে নিবারণ। দ্বিষ্ণ বাড়য়ে জ্বালা চল্রেব কিরণে। व जाशाक वान्यना यन मधी वहुन !। क्रिका क्रिया गांन व्यय कार्राता ভ্রমরা দশরা হয়ে প্রাণে কারে মারে।। श्य श्य कि कहिव देक एक काना भाष। বিধবা নারীর কেহ না ভাবে উপায়।। मकल थकब रुख माधि विषया। অবলা নারীর পক্ষে হয়েছে প্রমাদ।। যুবতী। তোমার সঙ্গে কথা বাতা কয়ে বড় খুসি হলুম ভাই। । नवाव आभात अपम्छ छान वन् एक इरव ।

কতোনবাবি।

नाहि कानि कान इल, किवा कोन भूगवदल, ্ হইল যে সুখের আধার। जूबि (इन् तमवर्डी, मनग्र यादात প্रेचि, একাদশ'বৃহস্পতি ভার।। श्वा । अपन छाइ आयात किए नाइ य पूर्ता मिर्ट कथा व ला क कानि (भाषा अपमर्थ, मक्टन वर्ष नर्थ, মিষ্ট কথা কোথায় না পাই। य या वल काई छनि, कबू वल करूवानी, অভিযানে প্রাণে মরে যাই।। मरमद्राय जाहि थिए, कतिमा का शिवष्टिए, रुपय विपीर्ग रय शाष्ट्र। কাঠের হইলে কায়, ফাটিয়া উঠিত ভায়, वर्मा विन धळकन षार्छ॥ मृता ए ए करत यन, আহা উহু কেবল করিছে। किया यात किता कति. मकला इत्य्राष्ट्र अति, কেন প্রাণ এখন রহিছে॥ কত সৰ বাক্য আর, সহ্ করা হলো ভার. यदनत यानूष यमि भाइ। দোঁপে তার হাতে প্রাণ, চলে যাই অন্য স্থান, কুলের মুখেতে দিয়া ছাই।। নবাব। তবে ভাল (প্রকাশ) ভাল ঠাউরেছ। धनव यौवदन यमि नाहि इतना मुथ। বৃথা ঘর দার বাজি পরিজন মুখ।। তোমার যৌবন-রবে সার্থি করিয়ে। यां भारत लहेग्रा ठल मिणां खिति हर्य।। রতি নতি গতি মতি সাপিয়া ভোমায়। থাকিব তুজনে সদা সুখের আলয়।। थन गान कूल भील मक्लि एक गात । কুপাকরি বিধুমুখি হইও আমার॥

ফভোমবাবি।

রাখিব তোমারে প্রাণ ফ্রদয় মাঝারে। थायात जग्छ सुधा आत्वत जाधारत ॥ मर्कक्षभ को एक स्थितक कति व भिवन। स्राप्त वायुत गांक ना इरक क्रम ॥

विश्रम्भि क्यामाद स्य क्रिश लावना कानात आवाधना क ना कत्रव, आभरत महक यि जिल्ला यां के कर कि कत्रवा का वल्टक। পারিনি।

যুবতি। তুমি ভাই নতুন মানুষ কি করে যাই, কোথায় নে যাবে गरनत भिन न। इरन कि इर।

कथा किटल हे काना यांग्र म्ह किमन मानू में, जात भाक्षांत कावन ।

खन खन विध्रुषी विनिद्ध (छोगाय। কুপাকরি যদি প্রাণ ভজহ আমায়।। (छीपादत लहेग्रा योव कति (प्रभास्त । थाकिक निकटि मन किन धकाखत।। যত আছে সহর এই অবনিমগুলে। मर्खाट्य के निकाल कि जिल्ला वर्म ॥ কতশত ঘর আছে তাহার ভিতর। কিবা গঠনের মূর্ত্তি কিবা শোভাকর।। তাহার মধ্যেতে যারে শ্রেষ্ঠ করে মানি। রাথিব তোমারে প্রাণ মনে অনুমানি।। হীরাদি মানিক লাল পরে সর্বক্ষ। থাকিবে সুখেতে প্রাণ নাহি জ্বালাতন।। ন্ধর চাকর দাস দাসী অগণন। थाकिरव निकर्षे श्राप क्रिया (मवन।। यथा देळा ज्याकादं कतिद्व गम्न। ঘোড়া গাড়ি পাল্কি আদি করে আরোহণ।। मकल व्यापद्व श्रान मर्खमा वाथित । ननमी भाखड़ी करू वाका ना विलिद्य ॥

ফতোনবাবি।

30 1

ঠাতারখাকি গাল্টা আর কর্ণে না আসিবে। প্রাণ্প্রিয়ে ষাত্মনিকেবল শুনিবে॥ কেলেই'ড়ি'ঘর ধোয়া আনন্দে ভাজিবে। (बँछ। यूटि भावताकि रूख ना हूँ हैरव।। ইহা পরিবর্দ্ধে পাবে গোলাব আতর। লাবেনভার প্রমন্তম গন্ধ মনোহর ।। অতএব মম বাক্য শুন লো সুন্দরি। व्याभादत लच्या ठल रूद्य (पर्भाखती।।

छ। छ। यथार्थ वर्ष, किन्तु छ। हे वर्ष छत्र हन्न।

নবাব। মোনের মিলের ভাই ভাবনা কি, মমুষ্যের সঙ্গে তুটো বি। জন্ম হ্বার ভাই বিষয় কি, আমি বাগ না ভালুক না ভোমারে খেয়ে ফেল্বো।

> ৰভি। নানা ভা বল্চিনি, তবে কিনা ভাই আমি এ কাজ কখনে। করিনি, কাথে কাথেই ভয় হয়।

ধাব। স্বগতঃ সে কথা মাথায় তুলে রাখ এক আঁচড়েই টের পেয়েছি ৷ প্রকাশ। মার পেট থেকেই কি সকল কাজ শেবে; এমুন नग्न, धकवांत्र ना धकवांत्र नजून रूत्वरे मरमा ना काल्ल কোন কর্মাই হয় না।

। वि। धथन छोडे आंत कान कथा कांक निरु वड़ पिति हता, না জানি কত গালী দেবে। আপ্নি জানেন তো ঘরকর। কেমন তরো ঘরে সকলি আছে তাই সকলকে পারি, ননদিনী পাতায়২ বেড়ায় তাকে পারা ভার নইলে প্রাণ-°নাথ ভামম দিন ভাবছিলাম কখন রাত্রি হবে, মন ভোমার কাছে আছে খালি কায়া মাত্ৰ সেখানে ছিল বৈত নয়। এত দিন ছিলাম ভাল ছিলনা এমন। य अर्थास रहेमां इं जिया है। আহা মরি জ্লে মরি দ্হিতে না পারি। छोट्ट य व्यवना वाना इहे कूननाती॥ यत्न ভावि कछक्र । इत्व मन्त्राकाम। नम्दन (यद्थि हि (मद्य) (श्रेंद्यंत्र कड्यम ॥

कर्जामकावि।

हित्रिमिन गरनात्रश्च शूर्न स्वन इश्र।। नवाव। एकत्र छाई करव (मथा इरव। শুনহ বিধুমুখি বলিছে ছোমারে। वाचित जोगादत मना तूरकत छेशरत। খায়াবো অমৃত সুধা যাহা ইছা হয়। থাকিবে যতনে প্রাণ রাখিব হৃদয়।। गोजिएक महेएस यांव होता थोत्राहेएक। माकाइत शर्मानि जात य शित्र छ।। युविछ। आक (मथा इत्नई इत्ज भारत, जूमि यमि छाई मसार्

मगर्य मूर्यूर्यारमत वां ज़ित थिज़ कित स्वन शां छत्र छना ग थम छत्व निष्ठय (मर्थ) इत्त, आधि धर्मन आमि। रांग्र रांग्र अर्गा मथी, किताइर नांन्नि जांचि, বল দেখি করি কি উপায়।

গৃহে চলে যেতে চাই, শরীরে সকতি নাই. ঠে কৈচি विषय প্রমদায়॥ (প্রস্থান)

्रीम। कि कत्रवे वल मिथि, कि वल्रल अन्दल छ।

নবাব। জালে পড়েচে, আজ রাত্রে গিয়া, সব স্থির স্থার করকো। যুব্তি। ঘরে আলো টালো জালতে হলো ভাই দেরি হয়েছে।

वाम। छ। ना छ। ना, मुथु द्या मामात वाड़ि याड वल्टन आमात বোধ হয় ও ছোট দাদার স্ত্রী।

नवाव। आद्रा जान, क्रमिय घर, क्रामाथ क्टि क्टिक কর না।

वाम। তোমার नা ভবে मन्भर्क আছে, ছোট্দা না ভোমার পিশ্ তুতো বনকে বে করেছিলেন।

নবাব। আমরা কুলিনের ছেলে, বাপের সম্পর্কের কোন খোঁজ নবাব। রসবতী আমার মনে কি হচ্চে বল্তে পারিনি, তোমার थवत् वाथिना, रूट भारत, किछ आगि अक हिनिनी।

व्याप। व्यापि विन छोडे धत मक्ष्य व्यानांश विनारिशत मत्रकांत्र करत्र न्, लाकि यन्त वन्ति।

ৰবাব। তুমি ছেলে মানুষ, দেশকলৈ পাত্ৰ বিবেচনা কলে কোন নুম্ব। আমিতো ভাই তাই বল্চি।

কজোনবাবি।

कर्म कर्ना योग, क्षोश माद्यन एक कि, नोन्हिकोन विठा-त्रदग्रक, आंत्र मारक कारक कि ना वरम।

विषि। তবে कि योखग्रे कित कला।

निवाव। जात मत्मर जाइ।

মনেতে করেছি যাহা করিব সে কৃষ। ্পোড়েছে বঁড়িশে মীন কেন কর.ব্যাঞ্চ।।

দ্বিতীয় অভিনয়।

॰ यूथु द्यारमत थि फ़क्तित वहेशी है। যুবতি আগত। প্রবেশ নবার, बनवाव। मस्राटिं। अदनकक्ष रुद्युद्ध, धर्यन धरमाना (य (अम भय) वे दूति जाम् ए । আহা মরি আহা মরি কিরূপ লাবন্য। হেরিলে যুবকগণ হয় অচৈভন্য।। (যুবভীর প্রবেশ।) এস এস, আমি বোধ কর ছিলাম আস্তে বুঝি পালোন

> কিবা জানি কোন গুণ করেছ আমারে। चदत'देत्र ७ वक म ७ कात्र माध्य भादत ॥ যে কাল অবধি প্রাণ হেরেছি,ও মুখ। হৃদয় মাঝারে কভ হইতেছে সুখ।। ইচ্ছা হয় অনিমিষ রাখি যে নয়নে।

প্রমালাপ রস্ক্রিজ্ব করি সঙ্গনে॥ কথায় ভরদা করে এত কট স্বীকার করেছি,কেবল এ চাঁদ

युथ (पथ्रवा वल ।

ষুবতি। ঘরে বসে পীরিতি করা হয় না।

ফতোনবাবি।

ঘরেতে পাকিয়া যদি করহ পীরিতি। किश्विष् सूर्यत लिंग ना हरत यूवछी।। ध कर्म छोड़े घरत वरम कत्वांत्र ना कि कांचा पिथिए পাবে, খেষ তোমার কলঙ্ক হুবে আর আমার মারখেয়ে প্রাণ যাবৈ।

युवछी। कोथांग्र यादव ज्ञल पिथ।

नवांवी किन कलकांकांत्र निर्म्म यांव, मिथारन नाम छेप लिकिएम ভোমায় দোভলা বাড়িতে রাখবো, পরম স্থাধে খাকবে, বাদ্দ বাড়ি থেকে এমে কোখায় কিছু পাওনি। কার ভয় ডর কন্তে হবেনা।

যুবত ভিবে ভাই ভাই ভাল, আমারতো ঘরে থাক্তে আর এক मछ मन इयाना, करव का छया यारव वन ताथ।

নুৱাব। কাল রাত্রে, শুভ কর্মে বিলম্ব করা উচিত হয় না, ভুমিৰ मकाल विलाएक मव न्हित न्हांत्र करत द्रिश बर्शकर्यारभ नाइछेट्डिटन इटन याव।

িযুবতী ুত্বে তাই তাল, আজ আমি আসি, মুখপোড়াদের িকানা ভাত রাঁদিরে।

न्याव। (मथ जूनन।।

(উভয়ের প্রস্থান।)

চতুর্য অঙ্গ। मवाव श्रोवूत वामातान। প্রবেশ নবাব আর বাদশামোহন।

बाम। छाई वड़ नगनवाटि (भारड़ हा।

न्तर्व । ल्यानका छे आंत्र कि, ७ कर्म्यत प्रक्रिश है।

বাদ। কোথায় রাখলে বল দেখি।

নবাব। কোলুকাভার সহর রাখবার ভ্রাবনা কি, নাথের বাগানে সৌর বলে একটি মেয়ে মানুষ আছে তার ঘরে রেখেছি।

वोष। 'निक्कन होन्छ। वर्षे।

नवाँव। निर्द्धाततं कथा वल्दा कि, त्यारम थूँ एक भान कि ना।

म उड़ मिळ्डम म्हान, নাহি ভার ভুলা স্থান, আমি গেলে খুঁজিয়া না পাই। প্ৰদেৱ নাহি গতি, চন্দ্ৰ সূৰ্য্য ভিমিরাতি, 'কেবা পাবে কাহারে ভরাই।।'— तिन हरप्रहि, जाभि छा विहित्स भारई हो छ। इय। নবাব। তার বিষয় আখি ভাবিদি, শারত পত্রের বড় অনাটন, আপদার লখাবি আছে তার শরচ আছে, তুদিগে চালা-তে হবে।

नवाव। क्यम शरप्रक् किছू हे बुकाएक भाविति हा छोका (या छोका করে প্রাণ বেরুলো।

> হায় হায় কোখা যাব, কেমনেতে টাকা পাব, छोका विस्म मकिन योधात। টাকা এই তিসংসারে, ইক্সপদ দিতে পারে, তুষি টাকা সর্বা মূলাধার॥ তুমি বিষ্ণু তুমি ব্ৰহ্মা, মহেশ্ব বিশ্বকৰ্মা, আতে শক্তি জ্ঞান প্রদায়িনী। তুমি স্বৰ্গ তুমি মতা, তুমি জান তুমি-তত্ত্ব, कृ िय मर्स कुश्य निर्हादिनी।। তুমি ইল্র তুমি কায়া, তুমি প্রাণ তুমি মায়া, তুমি সজা তুমি বুজভম। তুমি ধন তুমি ধ্যান, जूमि मन তুমি মান, তুমি মন্দ অধম উত্তম।। যেখানে দে খানে রও, সর্বতেতে মানা হও, অশুদ্ধ না পরষে তোমারে।

जूभि यादत कत प्रा, मर्स्स लाक कदत भाषा, মান্য পুকা হয় তিসংসারে।

ভোমায় পাবার তরে, যায় লোক দেশান্তরে, কত মত করম উপায়।

কারশ্রম করে, কেহ বা সেখনি ধরে ু মাল ভাগু কাহার মাথায়।। -কেহ গ্রহাজলি করে, ধর্মাধর্ম নাহি ধরে, · কত মত মিথ্যা কথা বলে। ॰ 🍎 क्ट् करंत्र कृद्धितंत्र, नाविभारन माता पात, ভাতর সদা করিব কি ছলে॥ লেক লক্তা পরিহরি, হোটেলে প্রবেশ করি, অখাদ্য কুখাদ্য কেহ খায়। क्ट्र कान नाम करत, ताछि लाहि नान करत, মুধ্ব হয়ে বাবুর কথায়।। ৈকেহ ধর্মা করে ধ্বংশ, মহাপ্রভু অবভংশ, বলে যিশুখীষ্টের কায়ায়। 🖰 ঘর বারি পরিজন, ত্যাগ করে হাই মন, जूल उर कूड्क गोत्रांत्र ॥ কত কুলবধূগণ, তোমা পেলে সর্বাক্ষণ, পর পুরুষের আশা করে। হি মানুন বাপ মায়, কাহারো না করে ভয়, বেশ্যা হয়ে শেবে প্রাণে মরে।। তুমি যাঁর প্রতিকুল, তাহার নাহিক কুল, গৃহ বাক্য সব দার ফাঁকা। যদি হয় বিদ্যমান, তবু নহে পায় মান, मकर्लत मृत्र जूभि छोक।। বাদ। আমিয় ভাই জিসে পর্যান্ত কিছু পাইনি, কোন ফিলি কর, যদি কিছু পাওয়া যায়। নবাব। একটা উপায় করেছি বোধ হয়, কিছু হতে পারে। বাদ ক উপায়। দেখানে গিছল্ম. তাদেশ বড় মকদ্মা হতেছে, আগ वल, जूभि जाभाषित थक जन माकि २७। বাদ। তুমি ভাতে কি বলে।

नविन जामि आत वल्टा कि, ताकि श्लूम, आक्र क अथूनि है शिया मकल्यात मिद्र छ। यन जाम् ता, जात कि है कि নিয়ে আস্ব। वाम। आधारत छाई त हल्ना, यमि किছू भाई। নবাব। তুর্মি পারবে না হে। वाष। भावत्वाना कन, याति खुरन ठिक ठाक इरम यात। ু নবাব। ৩ জানবার কর্মা নয়, বড় শীক লোক চাই। वाम। क्न छोटो आमाल छित्र म मकम्म छ। आमाति केथायः ্ৰিত হলে।। नवाव। दूर भागन, धिक छोडे आमान न श्रुनिम। বাদ। তবে কোথায়। नवाव। छद्र उद्ध्, ञामान छ द्र, व ज्ञामान छ ञामता अका लाक आगारपति कथा किष्मा यात्र, को छिन छत्। जुन्ब-কুত্তোত্মতন ছিড়ে খায়, তুমি আগে ছোট আদালতে হাত পাকান্ত তবে দেখায় যাবে। (উঠিয়া।) বাদ। তাই ভাল, কোথায় চল্লে। नवाव। तार्यव्रदमत्र वािष्। (উভয়ের প্রস্থান 📳

পথি অস্ক।
প্রতিম-অভিনয়।
চড়ক সংক্রীবি।
নবাবচাঁদের বাঁশা বাটা প্রবেশ, নিবাবচাঁদ আর
বাদ্শামোহন।
বাদ। ভাই কোন খবর গেলে।

বাদ। তাই কোন খবর পেলে।
নবাব। রায় বাবুদের ছেলেদের সঙ্গে আমার ইয়ারকি থাকা। কিছু না অত খুঁ জ্লচি, কোঁথায় ,আছে জান্তে পালেন
নবাব। কিছু না অত খুঁ জ্লচি, কোঁথায় ,আছে জান্তে পালেন
নবাব। কিছু না অত খুঁ জ্লচি, কোঁথায় ,আছে জান্তে পালেন
না।
বলে, তুমি আমাদের এক জন সাক্ষি হও।
বাদ। তুমি তাতে কি বলে।

এ বুনি চোরের ধন বাটপাড়ে লয়।

শৌর বেটি কিছু বল্তে পারে না। नबात। व्योभित्या कानि मिन जारे कारन। वाम। তবে कुकां खड़े शंख छाड़ा शला। वाश या जानाश करत मिरम शाका शाका ना जा-- नवाव। दें। आधि अदकवादि निवास इरम्रहि P वाम। इत्ला छोन, प्रदांधा ताएज एउत थत्र, जाक इड़क मथर ত্ত্তৰে অসুসাৱ প্ৰন্ यां अर्थ यां तर देविक, जात्र धर्मन कि। त्रज्ञात (भाष्ट्रक, पूर्वित । हित्त-श्राद्ध जार्च, कठकन श्रीमान्द्रप्राह, जानाका वाष्ट्री একবার ছিরে খোপার কাছে যাওনা, তুখানা ভাল ধুনিনা। প্রাণে প্রাণে আর দুখানা গুলবাহারের চাদর আর দুটো চিনে কো অথন কোথায় আছ। ভাড়া করে আন না, আমি গিয়ে জুভোগ্তলোন বুর্ক্ত্রা। যোড়াসাকো নবাবের বারিকে। ্বর আনি। বাদ। সে পয়সা পাবে যে। मगा। क्या हुम्हें जाहि, द्वार्ड जातम ना। च्यात। आभात वालिएमत निष्ठ भग्नमा आहि, त्न यांखना। বিব। ভবে আমরা গেলে স্থান পাব। (উভয়ের উস্থান।) 🔭 🕦। সে ভো আমার ভাগা, কবে আসবেন। वाव। आक्रियां अक ना कन। ৰুশা। বেশ তো চড়ক ভাংলো সকলেই যাওয়া যাক না দ্বিতীয় অভিনয়। নবাবচাদের বাঁসাবাটী প্রবেশ। বেশ্যা চলিত বাৰুৱা পুসংক वाव। इतकता गां डि इथत नियान करहा। নবাবচাদ বাদশামোহন আগত। ना कि ना धरत निनिद्ध युक्ति उन्ति वास्ति विलाग। नव व । (भर सर्छ (रु। াব। বটেই ভো, ভবে পায়ে পায়ে যাওয় যাগ বেশি দূর নর্ম বাদ। আৰু ভাই আছা জিনিষ দিয়াছে। এইভো। नवाव। वार्।—व्याप् ठापत, काश्याता काठाय, वाला भी 'बुना। आसून ना, जे आभात क जि.। र्ला। কাপড় কুঁচাইতে তুজনে আরম্ভ भंतकः कोन वरु यानूरयत ছেলে इत कोल পড়েছে आंत्र किथिय याग्र । ॰ ানকলের প্রস্থান তৃতীয় অভিনয়। চড়কড্যাঙ্গার চড়কন্থল। চভুৰ্থ অভিনয়। **७८२ উদিগে দেখো, যেন পূর্ণিমার চাঁদ উদয় হয়েছে** বেখ্যা মূন্দির। ভ্সা নৈত্র মানুষ, সঙ্গে কেণ্ড নেই। শ্বাব। না, তুমি বেড়াতে বেড়াতে গিয়ে কথা বাৰ্দ্ধ কণা। প্রবেশ বাদশাযোহন আর নবাবই দ। बाम। जामात मदत्र जालाश (नहे। िम्म। (कांथाय (शल। ারাব। এত ব্যান্ত হও কেন, বেখি হয় খেতে টেতে গেছে, বেটিকে

শৌর বেটি কিছু বল্তে পারে না। नदीय। जीभिष्ठ या जानि मिष्ठ जारे जाति िक्यन (इटल मानूषि कथा वल, द्रांद्व मुख्य वाम। তবে कुकां खड़े हां छ छा । বাপ মা আলাপ করে দিয়ে থাকে, ভ্রোমার পাড়া-নবাব। ই আমি একেবারে নিরাশ হয়েছি। वाम। इत्ना अन्त्रीक्षा ताएज्य एवत अवह, आक हज़क मिथर তুক্তনে অসুসার্গ ওন যাতে। ৰ্বাব। যাওয়া যাবে বৈকি, ভার এখন কি, রতার পোড়ক, তুরিব। চিত্তে পার,ভাই, কতকণ আসাহিষেছে, ভালতো আছু। একবার ছিরে ধোপার কাছে যাওনা, তুখানা ভাল ধু আর তুখানা গুলবাহারের চাদর আর তুটো চিনে কে ্ৰথন কোথায় আছ। ভাড়া করে আন না, আমি গিয়ে জুতোগুলোন বুর্ন্ধানা। যোড়াসাকো নবাবের বারিকে। , করে আনি। ब्वाव। कि आत्म योग्र। বাদ। সে পয়সা পাবে যে। मना। क्षेत्र क्रिके जाहि, क्रिके जाति ना। चर्चात। आभात वालिएमत निष्ठ भग्नमा आष्ठि, त्न यांडना। मेवाव। ভবে আমরা গেলে স্থান পাব। (উভয়ের উস্থান।) বেশা। সে ভো আমার ভাগা, কবে আসবেন। वर्वाव। আজি यां छक ना कन। বৃশ্যা। বেশ তো চড়ক ভাংলো সকলেই যাওয়া যাক না । দ্বিতীয় অভিনয়। নবাবচাঁদের বাঁসাবাটী প্রবেশ। 🚆 👵 বেশ্যা চলিত বাৰুৱা পূক্ত । বাব। হরকরা গাড়ি ইধর লিয়ানে কহো। নবাবচাদ বাদশামোহন আগত। ।। न। न। धरत निनित्तं युष्टि वन्ति चास्ति दलाम। নবাব। পেয়েছ্ হে। ক্লাব। বটেই তো, ভবে পায়ে পায়ে যাওয় যাগ বেশি দূর नर्स বাদ। প্ৰাক্ত ভাই আছো জিনিষ দিয়াছে। এইতো। নবাব। বাহা—বেড়ে চাদর, কাপড়গুনো কোচাও, বাালা শে 'রুশ্য। আসুন না, ঐ আমার ব্রুড়ি। र्ला। কাপড় কুঁচাইতে তুজনে আরম্ভ भंतरकः कोन वरु मानूरयत ছেলে इत्व क्रांत भएए ছে आंत्र কোথায় যায়। ° স্কলের প্রস্থান তৃতীয় অভিনয়। চড়কড্যাঞ্চার চড়কস্থল। চতুর্থ অভিনয়। नवाव। ७८२ छेनिता मिट्या, यन शूर्निगात हाँ न छेन य हर यह। বেন্ধা মূন্দির। वान। ७, अनि स्मिर्य गांचूय, मटक कर् तिह। रावाव। नी, जूमि विकृष्डि विकृष्डि शिष्त्र कथा वर्ष्डि कडना। প্রবেশ বাদশংমোহন আর নবাবই দ। पिम्भा। कार्याय (गल। बाम। आभात मस्य जालांश (नरे। াৰাব। এত ব্যান্ত হও কেন, বেখি হয় খেতে টেতে গেছে, বেটিকৈ

ফভোনবাবি। कटडांमवावि । व्यक्ति तथ्भूरतत त्रांका वनारक निष्ठेरत ष्ठेरमा (भूर्यक व्यक्ति वामा व्यक्ति कार्यक क्रिक्ति र्याय क्रिक्ति व्यक्ति व (थरक हाल गांत्र, व्यांत्र वाक वाक वहेंदारम थाकि (वना। मिक्किक्यो। विधि यूगे हिए मिकला शहन। इक्षुमान मिया निनाहित। े वीम। श्रीयाश्री कि शामार्था कविद्या व्यवना क्वित यहि योहे जांत कान विश्वासनहें, तांति एत इत्ना আমার যাহাতে মন তামার সে মন্ত্র भागिय छ हे छाहे छात् हिल्लम, विधिक्षारय प्राव्हा गहना द्वाना। वर्ष वार्यक्रम, हरवह अथन। আছে, নিভে পাল্যে খুব বাবুয়ানা চলে। উত্তয়ে উঠিয়া খুটোকে শয়ন। ও নবাবের কপট নিজা, বেশ্যার নিজা (वना। खेरवन। विष्या कि वंश दों वो इिक्स महाभाष्यता। নৰাৰ উঠিয়া। नवाव। होन वलिहालन, युष् धाम छाष्ट्रिक्ट काम नवावन विष्या मिराइहि, धथन किन ष्याभनात काय मात्रिन। বাঁশায় চলে যাই। किंदिनम इरेडि ठाँवि नरेया ममूमय धर्मा नरेया ननायकी (वंभा। किन महाभग्न ज्ञानक वाजिएक। इम्र नि, घरत्र मार्ग निहे ए पिति इत्न तका कत् रव। পঞ্চম ভাভিনয়। प्रकृत्म क्राना। চিৎপুর রান্তা। ইহার অধিক আর মুখ কারে বলে। প্রবেশ নবাবচাদ। श्तिव ७ ठाँ पश्च विम क्ख्रल ॥ नराव। नकत्नई नियं इरयह , कान मिन मिरय याई, अक जन আমার একটু দরকার আছে। (এक जन होकिमात माधायमान) नवाव। श्रु वन ना किन आभात भारत मानू र वत करना मन कमन कोकिमांत्रक (मथि**टिय ভ**क्रलांक (मर्थ विहे कि हुई वम् (व नां, हत्न यां है। বেশ্যা। ভাবেশতো, এতো খসিত্তথা, নিজের রাঁড় থাকিতে। প্রবেশ को की मात्र। व्यत्मात काष्ट्र कन कार्यन, कनशायात व्यान्छ निष्त्रि छोक। काम कान शाय। (थर्य (पर्य क्रांट्यन । চाक्रवानी क्रमथावाव आमयन । मवाव । आमि। नवाव। इम অনেक जिनिय आन्ति य, धम मकल धकत्व थाई। छोकि। आमि छो श्रम प्रश्वि शाय, छोब्पि श्वाम किन (वं मा ना ना छ। इरवना, जाभनाता थान, जामि धहे थिया হাায়, ইদর আও ক্রত যাইয়া হস্ত ধরণ। নবাব। (চপোটাঘাত প্রহর) বানচোদ আদমি পছান্তা নেই, কোন চোর হ্যায়, ক্রোন স্বাদ হ্যায়। नवाव। (मृत्रका खुनवाना, जूबि ना अल्ल आंग्रा थाव ना। (সকলের ভোজন।) अन्याम । বাদ। এখন খাওয়া হলো আমি আদি। होकि। (डेक्टब्रदा) होत जानजा, होत जानजा, नाकरका रे (वन्ता। धकाराई यिन कान, कान प्रथा भारा।

পাকড়ো।

ফতোৰবাবি।

पूरे कन हो किनात्र महत्र कतियां व्यादन्त है

र्गा र्या की की कार्य

आता शोकराष्ट्रा भोजात । स्वाप्त कार्य कार

नर्भम्। थाटनका किछ।

পার। দেশলাও, হতের গাঁটরি খুলিয়া বাঁচোদ হতে সব চিজ কিয়া খানেকা হ্যায়, ভোম চোর হ্যায়, লাহাত লিয়াভা হোঁ।

বন্ধন করিয়।

ন্বাব। সারজন সাহেব আমায় ছেড়ে দাও কেন্সী প্রতে শৃত

সার। চোপরাও শালা, প্রহার করিয়া।

পরে সেই রাল্ড ও পর দিন প্রাতে উত্তম করে তদারক
্রিসে মায় বামাল হাক্সির করিয়া দেওয়াতে, মাজি ঠ্রেট
ভাগাক দেশনে পাঠাইলেন, সেথায় ।বিচার হইয়া তার
দ বৎসর মিয়াদ হইল, বাদশামোহন এই সব স্মাচার প্রাপ্ত
হ যা বড় ভীত হইলেন শেষে আপনকার অভিনব বার্যানা বেশ
গঙ্গাজলে বিসজ্জনি দিয়া পুরাতন বেশ ভূষা করিয়া দৈশে পলাইলেন।

সমাধ

188 3.